जिला अस्पताल में क्रिटिकल केयर यूनिट बनकर तैयार, हैंडओवर नहीं

नवभारत न्यूज

बैतूल, 27 अक्टूबर. जिला अस्पताल में करोड़ों रुपए की लागत से बना 50 बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) भवन अभी तक हैंडओवर नहीं हुआ।

ना स्टॉफ मिला, न उपकरण आए

परिणाम जिला अस्पताल से मरीज हो रहे रेफर

हालांकि अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि ट्रांसफार्मर, इलेक्ट्रिफिकेशन का काम अधूरा है। इस वजह से क्रिटिकल केयर यूनिट अभी शुरू नहीं हो सकी है। इस लापरवाही का सीधा असर मरीजों पर पड़ रहा है। जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों को पर्याप्त सुविधा न मिलने के कारण हर दिन कई रेफर केस दर्ज हो रहे हैं। यदि सीसीयू चालू हो जाता तो न केवल बैतूल बल्कि आसपास के जिलों के लोगों को भी राहत मिलती। स्थानीय स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी बड़ी परियोजना पर करोड़ों खर्च करने के बावजूद प्रबंधन और योजना की कमी के चलते जनता को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा। भवन का निर्माण होना एक उपलब्धि नहीं, जब तक उसके भीतर इलाज न शुरू हो। लोगों का कहना था कि जब डॉक्टर, नर्स और तकनीशियन की नियुक्ति ही नहीं हुई, तो इतनी महंगी बिल्डिंग बनाने का क्या औचित्य था। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग ने यूनिट संचालन के लिए करीब 80 पदों का प्रस्ताव भोपाल भेजा है, जिनमें डॉक्टर, नर्स, टेक्नीशियन और वार्ड बॉय शामिल हैं। दो बार पत्राचार होने के बावजूद शासन से मंजूरी नहीं मिली। वहीं, यूनिट के लिए आवश्यक वेंटिलेटर और अन्य उपकरणों की खरीदी की टेंडर प्रक्रिया भी ठप पड़ी है। कुछ माह पहले कलेक्टर ने भवन का निरीक्षण किया था। उस दौरान निर्माण कार्य में कई तकनीकी खामियां और फिनिशिंग की कमियां सामने आईं। सुधार के निर्देश दिए गए, जिसके बाद भी निर्माण धीमी गति से चल रहा है।

> ट्रांसफार्मर, इलेक्ट्रिफिकेशन का काम अधूरा है। इस वजह से क्रिटिकल केयर यूनिट अभी शुरू नहीं हो सकी है। हमनें स्टाफ की पदस्थापना के लिए भी पत्राचार किया है। यूनिट के संचालन को लेकर मार्गदर्शन भी मांगा है।
>
> **-डॉ. जगदीश घोरे,** सिविल सर्जन जिला अस्पताल बैतूल

विभाग ने पदों का प्रस्ताव भेजा भोपाल

बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग ने यूनिट संचालन के लिए करीब 80 पदों का प्रस्ताव भोपाल भेजा है, जिनमें डॉक्टर, नर्स, टेक्नीशियन और वार्ड बॉय शामिल हैं। दो बार पत्राचार होने के बावजूद शासन से मंजूरी नहीं मिली। वहीं, यूनिट के लिए आवश्यक वेंटिलेटर और अन्य उपकरणों की खरीदी की टेंडर प्रक्रिया भी ठप पड़ी है। कुछ माह पहले कलेक्टर ने भवन का निरीक्षण किया था। उस दौरान निर्माण कार्य में कई तकनीकी खामियां और फिनिशिंग की कमियां सामने आईं। सुधार के निर्देश दिए गए, जिसके बाद निर्माण एजेंसी ने काम की गति और धीमी कर दी। अब तक न तो इलेक्ट्रिकल फिटिंग पूरी हुई है और न ही भवन स्वास्थ्य विभाग को सौंपा जा सका है।

पार्किंग तोड़कर बनाया गया है भवन

क्रिटिकल केयर यूनिट भवन बनाने के लिए 75 लाख से बनी पार्किंग को तोड़ा गया। इसके अलावा 2 करोड़ रूपये के बैलून अस्पताल को भी खोलकर रखना पड़ा। वहीं जिला अस्पताल में जो ब्रेंचे लगाई थी, वे सभी इस भवन के बनने के दौरान ठेकेदार ने तोड़ दी। पुराने जिला अस्पताल के चार मंजिला भवन से इस क्रिटिकल केयर यूनिट के भवन को जोडने् के लिए ब्रिज बनाया है। इसके लिए पुराने भवन में तोडफोड की गई। बताया जा रहा है कि 35 लाख का ऑक्सीजन प्लांट क्रिटिकल केयर यूनिट बनाने के दौरान ठेकेदार ने खराब कर दिया था। इसके बाद भी क्रिटिकल केयर यूनिट अभी तक शुरू नहीं हुई है।

बेल नदी पर 201.68 लाख से बनेगा नया पुल

बैतूल। आमला से रमली मार्ग में बेल नदी पर रेलवे द्वारा निर्मित पुराने और संकरे पुल के बगल में अब एक नया पुल बनाया जाएगा। लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण द्वारा इस पुल की निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। निर्माण कार्य का अनुबंध मेसर्स हरीश चन्द्र मिश्रा टिमरनी फर्म के साथ किया गया है। लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग बैतूल गिरीश हिंगवे ने बताया कि यह पुल 8.4 मीटर चौड़ा और 60 मीटर लंबा होगा। इसके निर्माण पर 201.68 लाख की लागत आएगी। कार्य प्रारंभ करने से पूर्व स्थल पर सॉइल इन्वेस्टिगेशन का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पुल निर्माण कार्य की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और शीघ्र ही कार्य स्थल पर गतिविधियां प्रारंभ हो जाएंगी। इस पुल के बन जाने से आमला विकासखंड के लगभग 50 गांवों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी।

एक नजर में

शहद निकालने पेड़ पर चढ़े बुजुर्ग की गिरकर मौत

मुलताई। थाना क्षेत्र के ग्राम कोल्हया बघोली के शिवाने पर एक खेत में स्थित पेड़ से गिरकर एक बुजुर्ग कि मौत हो गई। बताया रोन्या पिता सोहरब बरकडे नामक बुजुर्ग शुक्रवार को खेत में शहद निकालने गए थे, जिसके बाद वे घर नहीं लौटे। परिजनों ने दो दिन तक उनकी तलाश की। रविवार को खेत मालिक किस्मत गव्हाड़े ने खेत में एक पेड़ के नीचे रोन्या बरकडे 65 साल को पडा देखा सूचना मिलने पर मुलताई थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को आज सोमवार को पोस्टमार्टम के लिए मुलताई के सरकारी अस्पताल भेजा। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के सटीक कारणों का पता चलेगा। ग्रामीणों मृतक की पुत्री परिसीमा बरकड़े ने पुलिस को बताया कि उनके पिता शुक्रवार सुबह शहद तोड़ने के लिए खेत गए थे। एक ऊंचे पेड़ पर चढ़कर शहद निकालते समय उनका पैर फिसल गया, जिससे वे नीचे गिर गए। गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस द्वारा मामले मे मर्ग कायम की जा रही है।

3 करोड़ 70 लाख से बनेगा डोहलन से बिहरगांव मार्ग

मुलताई। प्रभात पट्टन ब्लॉक के ग्राम डोहलन बिहरगांव मार्ग का 3 करोड 70 लाख रुपए कि लागत से निर्माण होगा। इस अवसर पर विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने कहा डोहलन से बिहरगांव 3.50 किमी. सड़क बनने से क्षेत्र वासियों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिलेगी,अब उन्हें आने -जाने में परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा द्य वही केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा क्षेत्र के विधायक चंद्रशेखर देशमुख के अथक प्रयासों से डोहलन से बिहरगांव सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है, मुलताई विधानसभा में विकास कार्य के लिए वह हमेशा प्रतिबद्ध रहते हैं द्य क्षेत्र की समस्या के समाधान के लिए अक्सर वह मुझे संवाद करते हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारी एंव निर्माण एजेंसी ठेकेदार से बेहतर क्वालिटी की सड़क बनाने के निर्देश दिए द्य सड़क निर्माण भूमि पूजन के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार,प्रभात पट्टन भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश धाकड़ उपस्थित थे।

नपा में बिना ऑडिट के भुगतान का मामला हुआ उजागर

सारनी। जिले की सबसे बड़ी नगर पालिका अपने कारनामों को लेकर हमेशा सुर्ख़ियों में बनी रहती है। इस बार बगैर ऑडिट के भुगतान किए जाने का मामला सामने आया है।

नगर पालिका परिषद सारनी में ठेकेदार एवं अधिकारी दोनों हाथ से पैसा लूटने में लगे हुए हैं। नगर पालिका परिषद सारनी के छोटे बड़े कर्मचारी से लेकर लेखपाल भी इन नेता रुपी ठेकेदारों को खुलकर सहयोग कर रहे हैं। बताया जाता है कि दीपावली के पहले लाखों रुपए का भुगतान हुआ है। ठेकेदारों की फाइलों को बिना ऑडिट के राशि का भुगतान चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला उजागर होने के बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने रातों-रात ऑडिटर के पास मंडला फाइल भेज कर ऑडिट कराया है। पूर्व पार्षद ने बताया कि सारनी नगर पालिका में कार्य करने वाली कंपनी गजानन सिक्योरिटी एवं गणपति ट्रेडर्स को सामग्री आपूर्ती एवं अन्य फर्म को लाखो का भुगतान बिना ऑडिट के किया गया। पूर्व पार्षद ने जिला कलेक्टर को पत्र लिख कर समूचे मामले में जांच की मांग की है। नगर पालिका परिषद सारनी में दैनिक वेतन भोगी के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम जो किया नहीं गया। उसकी फाइल तैयार करके इसके भुगतान करवाने की तैयारी की जा रही है। नेता रूपी ठेकेदार को लाभ पहुंचाने नगर पालिका नियम विरुद्ध कार्य कर रही है। नपा नेता लगातार कुछ नेता नुमा ठेकेदारों को उत्कृष्ट करते आ रहे हैं। ताजा मामले पूर्व पार्षद एवं एक प्रतिनिधि को नगर पालिका द्वारा सभी नियमों को ताक पर रखकर ऑफलाइन फाइल देकर खुश किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ पहले भी नपा ने सिक्योरिटी,गणपति ट्रेडर्स,बी एम इंटरप्राइजेज एवं अन्य फार्मा को बिना ऑडिट के भुगतान चर्चा में है।मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों में सांस्कृतिक कार्यक्रम करने के नाम पर अनावश्यक बिल निकालने के लिए नगर पालिका परिषद सारनी के एक दैनिक वेतन भोगी को फाइल दी गई है वह दैनिक वेतन भोगी और एक संस्था का मूंह लगा व्यक्ति होने के कारण उन्होंने भी फाइल तैयार करके हस्ताक्षर करने की तैयारी में जुट गया हैं।

दीपावली मनाने घर लौट रहा आदिवासी समाज

भैंसदेही। इन दिनों आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र भैंसदेही और इसके आस पास के गांव में जमकर दीपावली की धूम मची हुई, विशेषकर आदिवासीयों में गायकी समुदाय इस पर्व को कुछ खास तरीके से मनाता है। जिसकी झलक क्षेत्र के साप्ताहिक बाजारो में देखी जा सकती है , जहां इस समाज के लोग अपने पारंपरिक परिधान और वाद्ययंत्रों के साथ अपनी मस्ती में झुमते देखें जा सकते हैं, जो समूह के साथ जनसामान्य के बीच पहुंचते हैं और दीपावली की शुभकामनाएं देते हुऐ त्यौहार मांगते तथा नाचते और गाते हैं, गौरतलब हो की बड़ी संख्या में इस समाज के लोग अब तक रोजी रोटी के तलाश में पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में बड़ी संख्या में पलायन कर चुके थे और दीपावली त्यौहार को मनाने अब अपने आशियानों की ओर लौट रहे है, आदिवासी समाज की दयनीय दशा और लगातार हो रहा पलायन शासन और प्रशासन के लिये एक बड़ी चुनौती और प्रदेश शासन की रोजगार देने वाले दावों की पोल खोलने के लिये काफी है।इसके बावजूद भी दीपावली पर्व पर इस समाज के लोग अपने आशियानों को लौटकर परंपरागत रुप से इस त्यौहार को मनाते हैं, दीपावली से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक इस समुदाय के बुजुर्ग युवा और बच्चे पुरे उत्साह के इस पर्व को सामुहिक रुप से मनाते हैं, हालाकि दीपावली पर मांगने वालों के कई स्वरूप हैं, लेकिन आदिवासी समुदाय का तरीका अनूठा है, जो सहर्ष ही आमजनता को अपनी ओर आकर्षित करता है, किसी प्रकार का रोष नहीं कोई गुस्सा और कोई बड़ी मांग नहीं नाचते गाते अपने वाद्ययंत्रों के साथ ढोल न नगाडे बजाते झूल और कौड़ियों से जड़े कुर्ते और अचकन पहने हाथ में बांसुरी लिये सिंगोली की मधुर ध्वनि का गुंजार करते सर पर रुमाल और मौर लगायें ये लोग घर- घर और दुकान दुकान दस्तक देते हैं।

करपा स्कूल में विद्यार्थी ने किया मध्यान्ह भोजन का बहिष्कार

मुलताई। क्षेत्र के ग्राम करपा में स्थित मिडिल स्कूल में विद्यार्थियों को सोमवार मेंन्यु अनुसार मध्याह्न भोजन नहीं परोसने पर भोजन का बहिष्कार कर दिया।

विद्यार्थियों ने बताया सोमवार को आज मेन्यू में आलू-चना की सब्जी, तुअर दाल और रोटी शामिल थी। लेकिन दोपहर 2.30 बजे तक रोटी तैयार नहीं हुई थी। आलू-चना की जगह लौकी की पतली सब्जी दी गई, जिसे छात्रों ने खाने योग्य नहीं बताया। पालकों ने भी भोजन की गुणवत्ता पर नाराजगी व्यक्त की ।उन्होंने शिक्षा विभाग से मध्याह्न भोजन की नियमित जांच कराने की मांग की है, जिससे बच्चों को पौष्टिक और स्वच्छ भोजन मिल सके।विद्यार्थी कामिनी, मिताली, गायत्री, गरिमा, दीपेश, मोहित, शशांक, रोहन, अभिजीत, और पालक कमलेश पवार, दुर्गेश पवार एवं पंकज पवार ने बताया स्कूल में अधिकांश दिन मेन्यू अनुसार भोजन नहीं दिया जाता। कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, जिसके कारण उन्हें प्रदर्शन करना पड़ा। इधर पालकों ने भी भोजन की गुणवत्ता पर नाराजगी जताई है।

डब्ल्यूसीएल की सुरक्षा चौकियां बनीं दिखावा

पाथाखेड़ा। सारनी क्षेत्र के पाथाखेड़ा व कालीमाई में स्थित वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड द्वारा स्थापित की गई सुरक्षा चौकियां, जो कभी क्षेत्र की सुरक्षा का अभिन्न अंग मानी जाती थीं, आज मात्र दिखावे की वस्तु बनकर रह गई हैं।

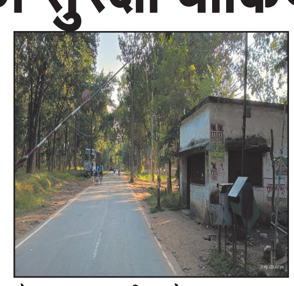

इन चौकियों का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अवैध गतिविधियों जैसे स्क्रैप चोरी, कोयला चोरी, अवैध अतिक्रमण एवं बाहरी वाहनों की निगरानी पर अंकुश लगाना था। किंतु विभागीय लापरवाही और सुरक्षा अधिकारियों की असंवेदनशीलता के चलते अब इन चौकियों का अस्तित्व केवल औपचारिकता तक सीमित हो गया है। जानकारी के अनुसार, पाथाखेड़ा क्षेत्र की सुरक्षा चौकियों पर अब ना तो नियमित निगरानी की जाती है और ना ही सुरक्षा प्रहरियों की सक्रिय मौजूदगी दिखाई देती है। परिणाम स्वरूप क्षेत्र में अवैध गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। जहां कभी सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता से संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई होती थी, वहीं आज स्थिति यह है कि अवैध वस्तुएं और सामग्री बिना किसी रोक-टोक के अंदर-बाहर की जा रही हैं। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि डब्ल्यूसीएल प्रशासन की उदासीनता से न केवल सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हुई है, ट्रैक्टर ट्रालियां व ऑटो के माध्यम से अवैध सामग्री लगातार ढोई जा रही है बल्कि अवैध अतिक्रमण को भी बढ़ावा मिल रहा है। बिट में तैनात प्रहरी रोक टोक नहीं करते दिखाई देते हैं इस मामले में जब संवाददाता ने क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी ऋतुराज से संपर्क करने का प्रयास किया, तो उन्होंने फोन रिसीव करना उचित नहीं समझा।

नामांतरण, बंटवारा के प्रकरणों का निराकरण कराएं : कलेक्टर

बैतूल। शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लंबित अविवादित नामांतरण और अविवादित बटवारा के प्रकरण प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित कराएं। यह निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को दिए हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने लंबित राजस्व प्रकरणों को तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि 30 और 90 दिन से अधिक के लंबित प्रकरणों में संबंधित तहसीलदार और नायब तहसीलदारों से प्रति प्रकरण 5 हजार की दंडात्मक राशि अधिरोपित की जाए और यह राशि संबंधित अधिकारी के वेतन से कटौती की जाएं। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने स्वरोजगारमूलक योजनाएं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना इत्यादि की समीक्षा कर इन योजनाएं के प्रकरणों का शत प्रतिशत निराकरण के लिए विकासखंडवार कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी इन कैंपों में ज्यादा से ज्यादा प्रकरण बैंकों में प्रेषित कर निराकरण कराएं।

आरोप : आधार सुधार के ले रहे 160 रुपये

पाथाखेड़ा। सारनी क्षेत्र में आमजन के जीवन को सरल बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही सरकार की आधार कार्ड सुधार योजना अब मजदूर वर्ग के लिए आर्थिक बोझ साबित हो रही है।

ठेकेदारों के माध्यम से संचालित इस सुधार कार्य में मजदूरों से 160 रुपए तक खर्च हो रहे हैं, जिससे गरीब वर्ग के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, आधार कार्ड में सुधार कराने के लिए पहले 10 रुपए का फॉर्म भरा जाता है, इसके बाद 100 रुपए शुल्क मांगा जा रहा है। इतना ही नहीं, प्रिंट आउट निकलवाने के लिए 50 रुपए अलग से लग रहे हैं। कुल मिलाकर मजदूर वर्ग को मात्र एक सुधार के लिए लगभग 160 रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार डिजिटल इंडिया और नागरिक सुविधा की बात करती है, तब ऐसे ठेकेदार आधारित शुल्क निर्धारण से गरीबों पर अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है। मजदूर वर्ग के लोग दिनभर की मेहनत छोड़कर केवल आधार सुधार कार्य के लिए समय और पैसा दोनों गंवा रहे हैं। लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि जब आधार कार्ड बनाते समय गलतियां होती ही नहीं, तो सुधार की जरूरत क्यों पड़ती है और इसकी कीमत आमजन से ही क्यों वसूली जा रही है वहीं इस पूरे मामले पर संबंधित अधिकारियों से जब जवाब जानने की कोशिश की गई, तो कोई भी अधिकारी जवाब देने के लिए सामने नहीं आया। स्थानीय नागरिकों ने शासन से मांग की है कि मजदूर वर्ग से वसूली जा रही अतिरिक्त राशि पर तत्काल रोक लगाई जाए और आधार कार्ड सुधार कार्य निशुल्क या न्यूनतम शुल्क पर कराया जाए ताकि वास्तव में यह योजना गरीब हितैषी साबित हो सके।

अवैध शराब की तस्करी, 17 पेटी शराब जप्त, दो आरोपी गिरफ्तार

मुलताई। थाना पुलिस मुलताई द्वारा कार से अवैध शराब परिवहन करने वाले 2 आरोपियो को गिरफ्तार कर 17 पेटी शराब शराब जप्त कर केस दर्ज किया है। गौरतलब है पवित्र नगरी मुलताई में प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है, जिसके बाद भी अन्य जिलों से अवैध शराब मुलताई लाकर बेचीं जा रही है। टीआई नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया रविवार की रात मुखबिर से सूचना मिली कि बोरदेही तरफ से एक सफेद रंग की कार मे अवैध शराब परिवहन कर मुलताई तरफ आ रहे है सूचना मिलने पर पुलिस बोरदेही रोड पहुंची तो एक सफेद रंग की कार

आते दिखी जिसे रोकने का प्रयास किया तो कार चालक ने ग्राम टेमझिरा लिंक रोड तरफ कार मोड दिया जिसका पीछा कर कार रुकवाकर कार चालक से अपना नाम पता पूछा जिसने अपना नाम मनीष शाह पिता विमल शाह उम्र 42 साल निवासी बंगाली कालोनी मुलताई का होना बताया एवं कन्डक्टर सीट मे बैठे व्यक्ति ने रोहित पिता इन्द्राज धोगले उम्र 24 साल निवासी भगतसिंह वार्ड मुलताई का होना बताया,कार क्रमांक एमपी 04 सीसी 4605 की तलाशी लेने पर शराब की पेटियां रखी मिलने से नीचे सडक किनारे उतरवाकर गिनती की गई गिनती करने पर रायल चैलेंज शराब की 33 बाटल प्रत्येक 750 एमएल, रायल चैलेंज शराब के 48 पाव प्रत्येक 180 एमएल, रायल स्टेज शराब के 48 पाव प्रत्येक 180 एमएल के सीलबंद , सिग्नेचर प्रिमियम शराब के 96 पाव प्रत्येक 180 एमएल के सीलबंद , रायल स्टेज शराब की 11 बाटल सीलबंद प्रत्येक 750 एमएल, आईकोनिक व्हाइट शराब के 134 पाव सीलबंद प्रत्येक 180 एमएल के देशी मदिरा प्लेन के 250 पाव प्रत्येक 180 एमएल के सीलबंद कुल 136.68 लीटर कीमती करीबन 1लाख 56 हजार रुपए की होना पाई गई ।

निरीक्षण | छठ पर्व को लेकर तैयारियां पूर्ण

छठ घाट का अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं टीआई ने किया निरीक्षण

सारनी। सतपुड़ा डेम पर छठ पूजा कार्यक्रम स्थल का एसडीओपी प्रियंका करचाम एवं टीआई जयपाल इवनाती ने जायजा लिया। इस मौके पर भोजपुरी एकता मंच के जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह एवं भोजपुरी समाज के नेता गण मौजूद थे।

सोमवार को एसडीओपी प्रियंका करचाम एवं टीआई जयपाल इवानाती ने छठ पूजा स्थल का जायजा लेते हुए व्यवस्था के बारे मे जानकारी ली।भोजपुरी एकता मंच की जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह,अरूण सिंह, भरत सिंह, विक्की सिह,जीपी सिह,प्रमोद सिहं,सुनील सिहं ने बताया कि आज शाम को सूर्य को अस्त होते हुए पहला अर्घ्य दिया जायेगा। मंगलवार को सूर्य उदय के बाद अर्द्ध देकर छठ पूजा का समापन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रंगारंग कार्यक्रमों आतिशबाजियों के साथ साथ अलग अलग भगवान की झांकियां देखने को मिलेगी। भोजपुरी समाज के सदस्य इस कार्यक्रम को अपनी मेहनत से दिन रात एक करके सफल बनाते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में भोजपुरी समाज के सदस्य,पुलिस प्रशासन,नपा प्रशासन,पत्रकार साथियों का विशेष सहयोग होता है। कार्यक्रम की भव्यता का पूरा ध्यान रख रहा है। एसडीओपी प्रियंका करचाम ने समिति के पदाधिकरी से व्यवस्थाओ पर चर्चा की। एसडीओपी ने कहा कि छठ पूजा में श्रद्धालुओं की हर संभव मदद पुलिस प्रशासन करेगा। ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये जो वाहन व्रतधारियों को लेकर आती है। ऐसे वाहनों की चिन्हित कर वाहनों को पार्किंग करवाया जाएगा। 27 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे शुभारंभ तथा समापन शाम सात बजे होगा। द्वितीय दिवस 28 अक्टूबर को सुबह प्रात: तीन बजे शुरु हो आठ बजे तक आयोजित किया जायेगा।

छठ पूजा की तैयारी हुई पूरी

सारनी। सतपुड़ा डेम पर छठ पूजा की तैयारी लगभग पुरी कर ली गई है। घाट पर साफ सफाई एवं रंग रोगन कार्य शुरू हो गया है। भोजपुरी एकता मंच के जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह एवं भोजपुरी समाज के नेता ने बताया कि छठ पूजा कार्यक्रम 27 एवं 28 अक्टूबर को सतपुड़ा डेम पर बने छठ घाट पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रंगारंग कार्यक्रमों आतिशबाजियों के साथ साथ अलग अलग भगवान की झांकियां देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि छठ पूजा कार्यक्रम 27 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे शुभारंभ तथा समापन शाम सात बजे होगा। द्वितीय दिवस 28 अक्टूबर को सुबह प्रात: तीन बजे शुरु हो आठ बजे तक आयोजित किया जायेगा।

बंगो लोक भारती की बैठक संपन्न, बनी रूपरेखा

बैतूल। प्रकृति संस्कृति हित मे निरन्तर कार्य करने वाले लोक भारती संगठन से सम्बध्द बंगाली समाज के राष्ट्रवादी विचारधारा के संगठन बंगो लोक भारती की जिला कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुआ। जिला संयोजक मधुमंगल सरकार ने सभी कार्यकर्ताओं से चर्चा कर आगामी कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार किया। बंगो लोक भारती की संकुल इकाई(ग्राम पंचायत) का गठन करने की योजना अनुसार सभी 10 संकुल केंद्र में सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर संकुल इकाई गठन करना। 16 नवम्बर 2025 को प्रबुध्दजन गोष्टि के माध्यम से सामाजिक कार्य मे उत्कृष्ठ कार्य करने वाले लोगो को सम्मानित करने की योजना बनी है। स्वामी विवेकानन्द जयंती 12 जनवरी से नेताजी सुभाष जयंती

तक निरन्तर सभी संकुल केंद्र (ग्राम पंचायत) में पारंपरिक खेलकूद का आयोजन करनें तथा नेताजी सुभाष बोस जयंती 23 जनवरी को मध्यप्रदेश के 55 जिलों में निवास करने वाले बंगाली समाज के 50 हजार लोगों को एकत्रि करण कर बंगाली गौरव और वीरत्व दिवस को भव्य रूप से मनाने की योजना बनी है। जिसके लिए मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों में सम्पर्क करने तथा बैठक की योजना तैयार की जाएगी।

बंगाली समाज के इतिहास में इतनी बडी संख्या में लोगो का एकत्रीकरण करने की यह पहली योजना बनी है। मध्य प्रदेश में लगभग 25 लाख बंगाली समाज की जनसंख्या होने की उम्मीद है। परस्पर सभी बंग्ला भाषी समाज के राष्ट्रवादी विचारधारा के लोगो को एक मंच पर लाने की योजना है।